उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण

दिनांक 9 नवंबर 2023, गुरुवार	**समय : 9.30 AM**	**स्थान : राज भवन, असम**

- असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया जी,
- आई.पी.एस अधिकारी श्री तपन कुमार डेका जी,
- उत्तराखण्ड राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे
  सम्मानित प्रतिनिधिगण
- उपस्थित राजभवन के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण

आप सभी को मेरा नमस्कार,

आज हम यहां "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य का स्थापना दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि असम का राजभवन अन्य राज्यों के स्थापना दिवस मनाने की स्वस्थ परम्परा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है।

अभी हाल ही में हमने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में देश की राजधानी दिल्ली सहित 8 राज्यों और 6 केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया।

इससे पहले हमने 1 मई को गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य दिवस मनाकर इस परंपरा की शुरुआत की। इसके बाद हमने 16 मई को सिक्किम, 30 मई को गोवा, 2 जून को तेलंगाना और 20 जून को पश्चिम बंगाल राज्य का स्थापना दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से मनाया।

मित्रों,

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है। हम यह भी जानते हैं कि हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है विविधता में एकता। हमारे प्रदेश सांस्कृतिक रूप से एक है, यही हमारी ताकत है, यही हमारी पहचान है।

इसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानो-बानो, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा हुआ है। लोगों की आपसी समझ की भावना ने विविधता में एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है। इसे भविष्य में पोषित करने की आवश्यकता है।

इसी दृष्टिकोण से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2015 को “एक भारत श्रेष्ठ भारत” की महत्वकांक्षी योजना की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य मौजूदा सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में एकता को बढ़ावा देना है।

इस योजना को प्रभावशाली बनाने के लिए भारत सरकार ने देश के सभी राज्यों को अन्य प्रदेशों का राज्य दिवस मनाने के निर्देश दिये हैं। इस पहल के तहत हर राज्य की विरासत और परंपराओं को प्रकट करने पर जोर दिया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल विभिन्न राज्य और केंद्र शाषित प्रदेशों के लोगों को एक-दूसरे को जोड़ेगी और देश में एकता और अखंडता को बढ़ाएगी।

असम भौगोलिक रूप से उत्तराखण्ड से दूर होने के बाद भी यहां के लोग इससे भावनात्मक रूप से जुड़ा हुए हैं। इस अवसर पर उत्तराखण्ड राज्य पर बात करना प्रासंगिक होगा।

उत्तराखण्ड हिमालय की तलहटी पर बसा एक सुन्दर पहाड़ी राज्य है। यह राज्य पर्यटन के साथ-साथ अपनी संस्कृति परंपराओं व पारस्परिक सौहार्द के लिए भी विश्वभर में जाना जाता है। उत्तराखण्ड राज्य का वर्तमान जितना रोचक व आकर्षण से परिपूर्ण है, उतना ही रोचक व महान इस राज्य का इतिहास भी है।

2000 और 2006 के बीच यह **उत्तरांचल** के नाम से जाना जाता था, 9 नवंबर 2000 को उत्तराखंड देश के 27वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। राज्य का निर्माण कई वर्ष के आन्दोलन के पश्चात् हुआ।

इस प्रान्त में वैदिक संस्कृति के कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण तीर्थस्थान हैं। उत्तराखण्ड जलवायु, नैसर्गिक, प्राकृतिक दृश्यों एवं संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश में प्रमुख स्थान रखता है। यह तीर्थ यात्रा और पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्त्व रखता है। यहाँ हरिद्वार, ऋषिकेश सहित चारों धाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री हैं। इसके पवित्र तीर्थस्थलों के कारण ही इसे देवताओं की धरती **'देवभूमि'** कहा जाता है।

उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था पर्यटन - प्रधान अर्थव्यवस्था है। इस राज्य की आय के प्रमुख स्रोत कृषि, पर्वतीय वन संसाधन, पर्यटन, तीर्थाटन, औद्यागिकी, फल एवं दुग्ध उत्पादन है। उत्तराखण्ड का देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

मेरा मानना है कि सभी राज्यों के बीच ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह राष्ट्र की संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह अभियान देश की विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को पहचानने और उजागर करने में भी मदद करेगा।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उत्तराखण्ड राज्य आने वाले समय में भी मां भारती की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, जिससे हमारा देश विकास की नित्य नई ऊचाइयों को छूता रहे।

अंत में मैं उत्तराखण्ड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं और इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।